

>

Title: Need to enhance the procurement price of Garlic as per its price in the international market and to promote export of Garlic.

**श्री इन्द्रराज सिंह (कोटा):** मेरे गृह राज्य शजरथान के हड्डौती क्षेत्र के कोटा बूंदी इत्यादि जितों में लहसुन की खेती किसानों के लिए एक घाटे का सौदा बन गई है क्योंकि नव वर्ष लहसुन का भाव 12 छजार प्रति टन छोले के कारण इस क्षेत्र के किसानों ने लहसुन के उत्पादन को प्राथमिकता दी एवं एक लाख 90 छजार हैवट्यर पर लहसुन की खेती-बाड़ी की। उनकी मेहनत से इस वर्ष लहसुन का बम्पर उत्पादन हुआ। लहसुन के अत्यधिक उत्पादन से इनका भाव 350 रुपये से 1200 रुपये प्रति टन रह गया जिसके कारण किसान पेशान हैं एवं अपनी उत्पादन लागत को प्राप्त करने में असमर्थ हैं। अपने उत्पादन को औने-पौने भाव पर बेचने के लिए विवश हैं। इसी तरह से उत्पादन आने वाले सालों में भी बढ़े इसके लिए उचित प्रतिफल भी किसानों को मिलना चाहिए। 2010 के अप्रैल से जुलाई के बीच भारत ने 10,975 टन लहसुन का निर्यात किया था एवं 42 करोड़ रुपये के करीब की विदेशी मुद्रा कमाई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लहसुन का भाव 2 छजार डालर प्रति टन है अगर हम लहसुन के निर्यात को प्रोत्साहित करें तो हम किसानों को अच्छी कीमत दे सकते हैं।

सरकार से अनुरोध है कि लहसुन का निर्यात करे तो हम किसानों के लहसुन उत्पादन का समुचित प्रतिफल देने में समर्थ हो सकेंगे।